सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 344 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 22 जनवरी, 2025
मूल्य ₹ 3/-

प्रसन्नता पहले से निर्मित कोई चीज नहीं है.. ये आप ही के कर्मों से आती है।
-दलाई लामा

नए सिरे से शुरुआत करने उतरेगी भारतीय... 7
दिल्ली चुनाव में सभी ने चले... 3
भाजपा सरकार में लोग सुरक्षित... 2

महाकुंभ में योगी कैबिनेट की बैठक पर गरमाई सियासत!

सपा मुखिया बोले- राजनीति कर रहे सीएम योगी

» सपा ने भाजपा सरकार पर किया प्रहार

» बीजेपी का पलटवार- विपक्ष का आरोप निराधार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में राजनीति एकबार फिर गरमा गई है। योगी सरकार की प्रयागराज में कैबिनेट बैठक को लेकर बवाल मच गया है। सपा समेत कई विपक्षी दलों ने आपत्ति करते हुए भाजपा पर महाकुंभ पर राजनीति करने का आरोप लगा दिया है। वहीं भाजपा ने सपा के आरोपों को निराधार बता दिया है।

इसबीच समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के विरुद्ध हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास की आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर पार्टी ने गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए राजधानी समेत पूरे प्रदेश में हल्ला बोला है। सपा ने महंत के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत करने की मांग की है। बता दें हनुमान गढ़ी के महंत राजू दास के फेसबुक आईडी से प्रयागराज कुम्भ में सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव की मूर्ति पर एक आपत्तिजनक टिप्पणी की थी।

कुंभ में राजनीति या राजनीतिक बैठक अनुचित : अखिलेश

राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने महाकुंभ में योगी सरकार के कैबिनेट बैठक को लेकर सवाल खड़े किए हैं। यूपी के पूर्व सीएम ने कहा कि प्रयागराज वो स्थान नहीं है, जहां पर राजनीति या राजनीतिक बैठक की जाए। कुंभ के स्थल पर कैबिनेट करना पॉलिटिकल है और पॉलिटिकल संदेश देना चाहते हैं। वहीं उन्होंने दिल्ली में हम आम आदमी पार्टी का समर्थन कर रहे हैं, इसका ये मतलब नहीं कि हम कांग्रेस के खिलाफ हैं। इंडिया गठबंधन बीजेपी के खिलाफ है। कुंभ में कैबिनेट की बैठक का क्या औचित्य है? अखिलेश ने कहा कि वो गंगा का विकास क्या करेंगे जब आज तक गंगा साफ नहीं हो सकी। अखिलेश ने कहा ये कुछ भी नहीं करना चाहते हैं, भाजपा वाले कुछ भी नही करते, इन्हें वहां राजनीति नहीं करनी चाहिए। यह पूछे जाने पर कि सपा चीफ कुंभ में स्नान करने कब जाएंगे? अखिलेश ने कहा- समाजवादी गंगा स्नान भी करते है कुंभ भी जाते हैं लेकिन फोटो नहीं डालते।

आज का दिन ऐतिहासिक : केशव प्रसाद

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने महाकुंभ पहुंचने पर कहा कि प्रयागराज में महाकुंभ के अवसर पर आज होने वाली कैबिनेट बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। उपमुख्यमंत्री मौर्य ने बताया कि बैठक के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने मंत्रियों के साथ संगम में पवित्र स्नान किया। उन्होंने पिछले साल 22 जनवरी को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के महत्व पर भी प्रकाश डाला। इस साल यह वर्षगांठ हिंदू कैलेंडर के पौष महीने के शुक्ल पक्ष के दौरान कूर्म द्वादशी को 13 जनवरी को पहले मनाई गई है। उत्तर प्रदेश के जेल मंत्री दारा सिंह चौहान ने

कैबिनेट बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

प्रयागराज में सभी का स्वागत किया और कहा कि आज एक ऐतिहासिकनिर्णय लिया गया। मैं सनातन धर्म और संगम की इस भूमि पर सभी का स्वागत करता हूं।

महंत राजू दास के बयान पर प्रदेश में सड़क पर उतरे सपा कार्यकर्ता

फोटोः सुमित कुमार

संगम में कैबिनेट मंत्रियों के साथ योगी ने लगाई डुबकी

महाकुंभ के मौके पर उत्तर प्रदेश सरकार के सीएम योगी व उनके कैबिनेट मंत्रियों ने संगम में स्नान किया। त्रिवेणी में डुबकी लगाइ। महाकुंभ नगर में राज्य कैबिनेट की बैठक हुई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक अरैल के त्रिवेणी संकुल में दोपहर 12 बजे शुरू हुई। बैठक में सभी 54 मंत्री शिमिल हुए। बैठक के बाद दोपहर मुख्यमंत्री ने पत्रकारों को मंत्रिमंडल की बैठक में लिये गये फैसलों की जानकारी दी। इससे पूर्व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2019 कुम्भ मेले में भी अपने पूरे मंत्रिमंडल के साथ संगम में डुबकी लगाई थी। तब मुख्यमंत्री के साथ अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष नरेंद्र गिरि और अन्य साधु संतों ने भी संगम में स्नान किया था। जानकारी के मुताबिक सीएम योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, सूर्य प्रताप शाही, स्वतंत्रदेव सिंह, बेबी रानी मौर्य, जयवीर सिंह, लक्ष्मी नारायण चौधरी सहित सभी 21 मंत्री और बाकी स्वतंत्र प्रभार वाले और राज्यमंत्री सहित कुल 54 मंत्री कैबिनेट बैठक में शामिल होने के बाद विधिवत संगम में स्नान किया।

दिल्ली में चरम पर आया प्रचार, आप का भाजपा पर तीखा प्रहार

» केजरीवाल का बीजेपी पर पैसे बांटने का आरोप

» गृह मंत्रालय से आया आप की सभाओं को रोकने का आदेश : केजरीवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव के तहत मतदान का दिन जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच एक-दूसरे पर वार-पलटवार और तीखे हो गए हैं। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर आप की मीटिंग रोकने का आरोप लगाया है। आप संयोजक ने कहा कि पुलिस अफसरों ने मुझे बताया, अब सीधे गृह मंत्रालय से आदेश आ रहे हैं कि आम आदमी पार्टी की मीटिंग नहीं होने देनी है।

दिल्ली सभ्य लोगों का शहर है और दिल्ली वाले भाजपा की इस गुंडई को सहन नहीं करेंगे। चुनाव से पहले भाजपा ऐसी गुंडई कर रही है, अगर ये गलती से जीत गए तो ये दिल्ली का क्या हाल करेंगे। भाजपा ने पंजाबियों और सिख समाज का अपमान किया है। भाजपा नेता प्रवेश वर्मा ने कहा कि पंजाबी गणतंत्र दिवस पर देश की सुरक्षा के लिए खतरा हैं। क्या प्रवेश वर्मा पंजाबियों को आतंकवादी और देशद्रोही बता रहे हैं? अमित शाह और भाजपा को इसके लिए सभी पंजाबियों और सिखों से माफी मांगनी चाहिए।

बीजेपी हर हाल में जीतना चहती है चुनाव

दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा, भाजाप हिंसा के जरिए चुनाव जीतना चाहती है। भाजपा प्रत्याशी शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव नहीं जीत सकते इसलिए हिंसा का सहारा ले रहे हैं। भाजपा प्रत्याशी खुलेआम पैसे बांट रहे हैं और पुलिस उनकी मदद कर उन्हें संरक्षण दे रही है। जब पूरी दिल्ली पुलिस भाजपा के प्रचार में लगी है तो दिल्ली की कानून व्यवस्था चरमरा गई है।

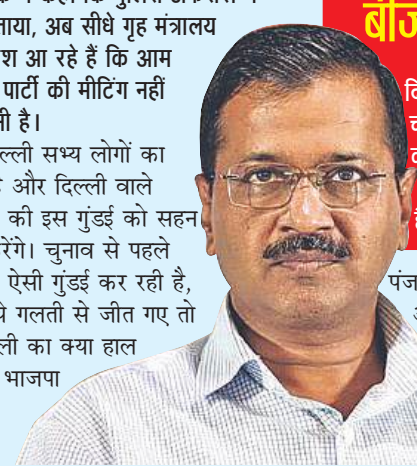

आतिशी ने बिधूड़ी को घेरा

दिल्ली की सीएम आतिशी ने कहा, विधानसभा क्षेत्र के हर इलाकों में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और रमेश बिधूड़ी के भतीजे होने का दावा करने वाले लोग आप कार्यकर्ताओं को डरा रहे हैं। रमेश बिधूड़ी ने आप कार्यकर्ता दीपा को फोन करके उन्हें भाजपा में वापस आने को कहा। जब उन्होंने कहा कि वह अब आप में हैं और आतिशी के साथ हैं, तो बिधूड़ी ने कहा कि यह आतंकवादियों की पार्टी है और 8 फरवरी के बाद आतिशी जेल जाएगी। भाजपा उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी, उनके कार्यकर्ता और भतीजे आज चुनाव नहीं लड़ रहे हैं, वे पूरे इलाके में सिर्फ गुंडागर्दी फैला रहे हैं। हम चुनाव आयोग से शिकायत करने जा रहे हैं कि रमेश बिधूड़ी, उनके कार्यकर्ताओं और भतीजों पर एफआईआर दर्ज की जाए और सख्त कार्रवाई की जाए।

भाजपा सरकार में लोग सुरक्षित नहीं : अखिलेश

» सपा प्रमुख बोले- निर्दोषों को प्रताड़ित कर उनकी जान ले रही पुलिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि प्रदेश की भाजपा की योगी सरकार पर जमकर प्रहार किया है। सपा मुखिया ने कहा प्रदेश की कानून व्यवस्था ध्वस्त है। हत्या, लूट की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है। अपराधी दिन दहाड़े हत्याएं कर रहे है। अपराधियों में पुलिस का डर नहीं है। पुलिस अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई के बजाय निर्दोषों को प्रताड़ित कर उनकी जान ले रही है। भाजपा सरकार में लोग सुरक्षित नहीं है।

अमरोहा में सोमवार को समाजवादी पार्टी के नेता इशरत अली की दिन दहाड़े बदमाशों ने गोली मार कर हत्या कर दी। कासगंज में रिटायर्ड एडीएम राजेन्द्र प्रसाद कश्यप की हत्या हो गयी। गाजियाबाद में बदमाशों ने रूपये से भरा बैग लूट लिया। पूरे-प्रदेश में हर दिन अपराध की सैकड़ों घटनाएं हो रही है। सरकार का कानून- व्यवस्था और पुलिस का अपराध पर कोई नियंत्रण नहीं रह गया है। भाजपा सरकार में पुलिस से जनता का भरोसा उठ गया है। इस सरकार में पुलिस मदद के बजाय लूट रही है। कानपुर में डायल 112 पर मदद के लिए फोन मिलाने पर पहुंचे पुलिस वालों ने पीड़ित की ही पिटाई कर पैसे छीन लिए। इसी तरह से भाजपा सरकार में हिरासत में मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। भाजपा सरकार में पुलिस रक्षक की जगह भक्षक बन गई है।

हिरासत में हो रहीं मौतें

सम्भल में घर से पूछताछ के नाम पर घर से ले गये युवक की हिरासत में मौत हो गयी। युवक की मौत के बाद जन आक्रोश भड़क गया। भाजपा सरकार में अन्याय, अत्याचार चरम पर है। इस सरकार ने हिरासत में मौतों के मामले में यूपी को नम्बर एक बना दिया है। याद रहे अन्याय करने वाली भाजपा सरकार अब अपने अंतिम दौर में है। जनता भाजपा के अन्याय, उत्पीड़न को देख रही है। 2027 के विधानसभा चुनाव में जनता भाजपा को सत्ता से हटाकर समाजवादी पार्टी की सरकार बनाएगी। न्याय और कानून का शासन स्थापित होगा।

सपा ने महंत राजूदास के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की

समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के विरुद्ध हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास की आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर समाजवादी पार्टी की स्थानीय इकाई ने गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए महंत के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत करने की मांग की है। हनुमान गढ़ी के महंत राजू दास के फेसबुक आईडी से प्रयागराज कुम्भ में सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव की मूर्ति पर एक आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। पोस्ट के वायरल होते ही सोशल मीडिया पर खबर आग की तरह फैल गई और सपा के कई नेता पार्टी जिलाध्यक्ष राम हर्ष यादव की अगुवाई में महंत राजू दास के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कराने के लिए नगर कोतवाली पहुंचकर उनके खिलाफ मुकदमा पंजीकृत करने की तहरीर दिया किन्तु शहर कोतवाल ने जांच कर मुकदमा दर्ज करने की बात कही जिस पर सपा जिलाध्यक्ष और कोतवाल के बीच तीखी

नोंकझोंक हो गई। जिलाध्यक्ष के साथ गए लोहिया वाहिनी के अध्यक्ष नंदेश्वर नन्द यादव ने कहा कि नेता जी हम सब लाखों करोड़ों के भगवान हैं। इस प्रकार की टिप्पणी को हम किसी कीमत पर सहन नहीं करेंगे और इस अपमान का बदला हम हर कीमत पर लेकर रहेंगे।

जनता के ही मुद्दों को उठा रही राजद : तेजस्वी यादव

» नेता प्रतिपक्ष ने कहा- हम लोग काम करने में विश्वास रखते हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि हम लोगों के पास बहुत काम है। हमलोग काम में विश्वास करते हैं। हम जनता के साथ हैं और जनता के हीं मुद्दों को उठा रहे हैं। यादव ने एक प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग समस्याएं रहती है, जिससे लोग हमें अवगत करा रहे हैं।

बिहार से पलायन रोकने, इंडस्ट्री लगाने, बिहार को अव्वल राज्यों में शुमार कराने जैसे ब्लूप्रिंट के साथ जनता के सामने जा रहे हैं और 17 महीने में जो हम लोगों ने काम किया है, उसे लोगों को बता रहे हैं। राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि हम लोग महिलाओं से भी संवाद कर रहे हैं और महिलाओं का कहना है कि महंगाई की मार से घर चलाना मुश्किल हो गया है, बचत नहीं हो पाता, हर चीज महंगी हो चुकी है। जिसको देखते हुए हम लोगों ने निर्णय लिया है कि सरकार बनेगी तो माई बहिन मान योजणा लागू किया जाएगा और 25 सौ रुपए सीधे माताओं बहनों के खाते में जमा होगा।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि देश भर में सबसे महंगा बिजली बिहार में मिलता है और अब स्मार्ट मीटर से भी लोग परेशान हैं। इसलिए हम लोगों ने तय किया कि

बिहार को नए ब्रांड की जरूरत

तेजस्वी यादव ने कहा कि हम लोगों ने बिना पेपर लिक के 5 लाख लोगों को नौकरी दी और तीन लाख प्रक्रि याधीन कराए। गांधी मैदान में जहां राजनीतिक रैलियां होती है वहां रोजगार मेला लगता था, लेकिन आज छात्रों को पीटा जा रहा है। कोई वर्ग इस मौजूदा सरकार से खुश नहीं है। अगर एक ही ब्रांड का बीज एक खेत में बीस सालों तक रोपियेगा तो जमीन भी खराब हो जाएगी और फसल भी। अब बिहार को नए ब्रांड का नए बीज लगाने की जरूरत है ताकि फसल भी अच्छी हो और आने वाले नस्लों का भविष्य भी बेहतर हो।

200 यूनिट मुफ्त में बिजली देंगे। तेजस्वी यादव ने कहा कि हमारे पड़ोसी राज्य झारखंड में सामाजिक सुरक्षा पेंशन, वृद्धा पेंशन 1000 रुपए मिलता है, लेकिन यहां मात्र 400 रुपए है। जिसे बढ़ाकर 1500 रुपए किया जाएगा।

केंद्रीय कृषि मंत्री से मिलने का अब भी इंतजार : पटवारी

» बोले- शिवराज सिंह नहीं दे रहे समय, 19 मंगलवार बीते

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी 19 मंगलवार से केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मिलने का समय मांग रहे है। लेकिन अभी तक उनके द्वारा मिलने का समय नहीं दिया गया। जिसके चलते कांग्रेस नेता जीतू पटवारी ने शिवराज सिंह को उनका वादा याद दिलाते हुए निशना साधा है। जिसमे उन्होंने कहा कि अठारह मंगलवार बीत गए और उन्नीसवां आ गया लेकिन इंतज़ार है कि जो खत्म ही नहीं हो रहा।

कांग्रेस अध्यक्ष पटवारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि आज उन्नीसवां मंगलवार आ गया, लेकिन आपकी ओर से अब तक कोई जवाब नहीं आया। आपने वादा किया था कि हर मंगलवार किसानों से मिलेंगे। मध्य प्रदेश का किसान होने के नाते, मैं एक बार फिर प्रदेश के किसानों के साथ इस मंगलवार भी आपसे मिलने का निवेदन कर रहा हूं। पिछले छह महीनों से मैं प्रदेश के कोने-कोने में जाकर किसानों से मिल रहा हूं। हर जगह किसान अपनी फसल के दाम न मिलने, मुआवजे की अनदेखी और सरकारी उदासीनता से परेशान हैं। आपके अपने ही गृह राज्य के किसानों को आख़िर कब तक आपसे समय मांगना पड़ेगा?'

वक्फ विधेयक देश में अराजकता पैदा करने के लिए : इमरान मसूद

» कांग्रेस सांसद बोले- जमीनों को हड़पने की साजिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन अधिनियम 2024 पर चर्चा के लिए लखनऊ में हुई संयुक्त संसदीय समिति के सदस्यों की बैठक से बाहर निकले कांग्रेस के सहारनपुर से सांसद इमरान मसूद ने कहा कि वक्फ बाय यूजर अगर डिलीट कर दिया जाएगा तो क्या बचेगा।

यह अधनियम पूरी तरीके से वक्फ की जमीनों को हड़पने और बर्बाद करने की तैयारी है। आज मुसलमान को वक्फ से हटा रहे हो कल दूसरी जगह से हटा दोगे तो क्या होगा? इसका असर जो प्राचीन मंदिर और मठ है उस पर भी पड़ेगा। देश में अराजकता और अफरातफरी का माहौल बनाया जा रहा है। इसमें एक भी पॉइंट मुसलमान के विकास के लिए नहीं है। हमारे बुजुर्ग जिस कब्रिस्तान में दफन हैं उसे वक्फ की संपत्ति नहीं मान रहे हैं। सदियों से जहां नमाज पढ़

रहे हैं उसे मस्जिद मानने को तैयार नहीं है। बता दें कि वक्फ संशोधन अधिनियम 2024 को लेकर मंगलवार को जेपीसी की बैठक हुई। जेपीसी बिल पर मुस्लिम धर्मगुरुओं और संगठनों से सुझाव और आपत्तियां ले रही है। बैठक में जेपीसी के अध्यक्ष जगदंबिका पाल जेपीसी के सदस्य असदुद्दीन ओवैसी समेत 11 सदस्य शामिल है। खासतौर पर शिया सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड के चैयरमैन अली जैदी, मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली, मौलाना सुफियान निजामी, जमाते इस्लामी, मिली कार्उंसिल सहित अन्य संगठन के पदाधिकारी जेपीसी से मुलाकात करने पहुचे हैं।

राहुल गांधी का अर्थव्यवस्था पर आधी-अधूरी नकारात्मक बातें करना हास्यास्पद : मालवीय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» भाजपा ने कांग्रेस पर किया जोरदार हमला

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने अर्थव्यवस्था पर टिप्पणी को लेकर राहुल गांधी पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता का भारतीय अर्थव्यवस्था के बारे में आधी-अधूरी नकारात्मक बातें करना हास्यास्पद है। दरअसल लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी ने अर्थव्यवस्था के विभिन्न आंकड़ों का हवाला देते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में सवाल किया कि क्या अर्थव्यवस्था में आम लोगों को उनकी उचित हिस्सेदारी मिल रही है?

उन्होंने दावा किया कि विनिर्माण क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में हिस्सेदारी 60 साल के सबसे निचले स्तर तक चली गई है तथा इस वजह से लोगों को रोजगार के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। भाजपा के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने इसके जवाब में सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, राहुल गांधी का भारतीय अर्थव्यवस्था पर बार-बार आधी-अधूरी नकारात्मक बातें करना हास्यास्पद है, खासकर जब वह अपनी ही पार्टी की विफलताओं को नजरअंदाज करते हैं

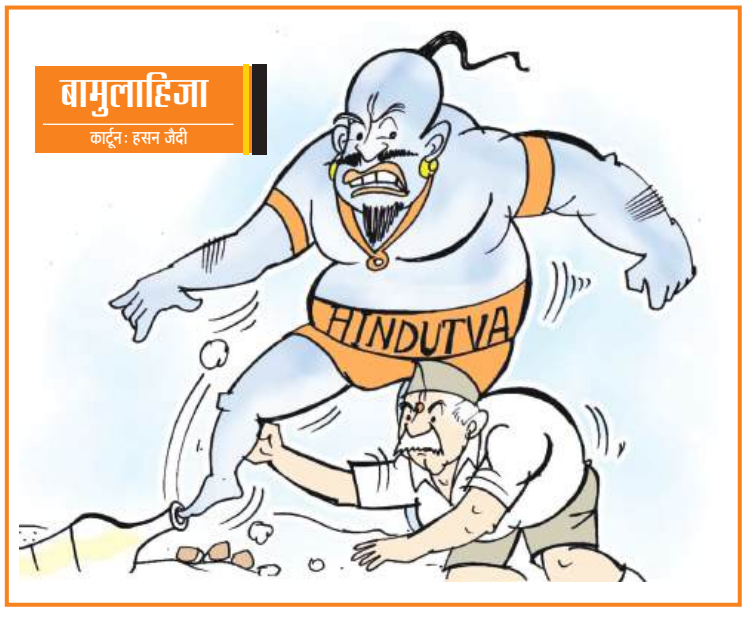

दिल्ली चुनाव में सभी ने चले 'मुफ्त दांव'

महिलाओं, युवाओं से लेकर धार्मिक लोगों पर भी बरसेगा धन

» आप की योजनाओं से अन्य दलों की उड़ी नींद

» भाजपा और कांग्रेस ने भी जनता से किए वादे

» 10-12 वर्षों से दिल्ली में उठापटक जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा हो, कांग्रेस हो या आप, सभी दिल्ली चुनावों के लिए पूरे जोर-शोर में आ गए हैं। जहां सभी सियासी दल अपने प्रचार अभियान में तेजी लाते जा रहे हैं वहीं जनता के लिए लोकलुभावन वादों में आगे निकलने की होड़ में भी लग गए हैं। राजनीतिक दलों के जो घोषणा पत्र सामने आ रहे हैं उनमें सभी आम लोगों को कुछ न कुछ मुफ्त में देने की बात कर रह हैं। पर इन सबके बीच कुछ लोग तो ये कहने लगें हैं कि आम लोगों से जुड़े मुद्दे नेताओं के जुबान से गायब होते जा रहे हैं। अभी कुछ चुनावों से ये भी देखने को मिल रहा है कि एक जमाने में जो राजनीतिक दल शिक्षा और स्वास्थ्य के बजट में कटौती दर कटौती करते चले गए कि राजकोषीय घाटा को पाटना है। अब उन्हीं के द्वारा जब फ्रीबीज की वकालत हो रही है तो इस सियासी मजबूरी को समझना भी दिलचस्प है। जिन राजनीतिक दलों ने अपने चुनावी वायदों के अनुपालन में कोताही बरती, उनके खिलाफ क्या कार्रवाई होनी चाहिए, यह भी स्पष्ट नहीं है। जैसा कि ऐसी खबरें हैं कि यूपी व एमपी में भाजपा ने त्यौहारों में सिलेंडर बांटने की बात कही थी वह अब भी सिर्फ कागजों में ही है।

दिल्ली को छोटा हिन्दुस्तान और दिल वालों का शहर कहा जाता है, लेकिन पिछले 10-12 वर्षों में यहां जितनी राजनीतिक दिलग्गी हुई, वह बात किसी से छुपी हुई नहीं है। चाहे केंद्र में सत्तारूढ़ बीजेपी और एनडीए हो या फिर राज्य में सत्तारूढ़ आप और इंडिया गठबंधन, जिससे कभी आप जुड़ती है तो कभी तलाक ले लेती है और देश की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस जो अपने नेतृत्व वाले गठबंधन या फिर अपने द्वारा समर्थित गठबंधन का अपनी सुविधा के अनुसार

व्यवहार करती है। चूंकि इन राजनीतिक दलों ने खुद के लिए कोई आदर्श राजनीतिक नियम और उसके निमित्त बाध्यकारी कानून नहीं बनाकर रखे हैं, या फिर नाममात्र का बनाए हुए हैं, जिसकी व्याख्या ये लोग अपने मनमुताबिक कर लेते हैं, इसलिए इनकी सारी राजनीतिक हरकतें जायज समझी जाती हैं। वहीं, इनको तोहफा या सजा बस जीत-हार के माध्यम से जनता जनार्दन ही देती आई है। यहां भी वह मतदाता दलित-महादलित, पिछड़ा-अत्यंत पिछड़ा, सवर्ण-गरीब सवर्ण, आदिवासी-अल्पसंख्यक, महिला-पुरूष, युवा-बुजुर्ग, किसान-मजदूर, कामगार या पूंजीपति आदि इतने खानों में विभाजित है कि उनकी फूट डालो और शासन करो की नीति अक्सर सफल होती आई है।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी का भी नहीं हो रहा असर

यही वजह है कि भाजपा नीत एनडीए, आप नीत संभावित तीसरा मोर्चा और कांग्रेस नीत इंडिया गठबंधन ने दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 में एक-दूसरे को मात देने के लिए अपने-अपने फीबीज के सियासी घोड़े खोल रखे हैं। वह भी तब, जब करदाताओं की ओर से इसकी खुलेआम आलोचना हो रही है। वहीं, आपने देखा-सुना होगा कि केंद्र सरकार की अटपटी नीतियों पर सर्वोच्च न्यायालय तक ने टिप्पणी की, कि आखिर 80 करोड़ लोगों को आप कबतक मुफ्त या फिर कम कीमत पर अनाज देंगे। ऐसे में उन्हें आप रोजगार क्यों नहीं दे देते! कोर्ट की यह

टिप्पणी जायज है और प्रशासन यदि चाहे तो उसके लिए यह मुश्किल भी नहीं है। वहीं, आम आदमी पार्टी ने अनुमन्य यूनिट तक फ्री बिजली, फ्री पानी, फ्री और किफायती शिक्षा व स्वास्थ्य, महिलाओं के लिए फ्री बस यात्रा, लक्षित वर्गों को अलग-अलग नगद आर्थिक मदद आदि जैसी जो चुनावी-प्रशासनिक रवायतें शुरू की है, और अब उन्हीं की देखा-देखी कांग्रेस और भाजपा जैसी राष्ट्रीय पार्टियों में भी इस नीतिगत मुद्दे पर आपाधापी मची हुई है, यह नीति एक नए आर्थिक और अर्थव्यवस्था के संकट को जन्म दे सकती है।

आज भी बुनियादी जरूरतों से दूर है आम जन

आपने देखा-सुना होगा कि सरकार ने उद्योगपतियों के इतने के कर्जे माफ कर दिए, या फिर इतनी की सब्सिडी इन-इन धंधों/पेशों में दी जा रहीं हैं। इसी तरह से सरकार ने किसानों के इतने के कर्जे माफ कर दिए और इन-इन चीजों पर इतनी सब्सिडी दे रही है। इसी तरह से समाज के विभिन्न वर्गों को भी लुभाने के लिए सरकार कुछ न कुछ देकर दानी-दाता बनी हुई है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि सरकार सबको सुशासन क्यों नहीं दे रही है? सड़कों पर इंसान सुरक्षित क्यों नहीं है? चाहे खेती हो या कारोबार, चोरी और लूट की बढ़ती फितरत से उद्यमी व मेहनतकश वर्ग परेशान है। वहीं, डिजिटल धोखाधड़ी और प्रशासनिक तिकड़मों का तो कहना ही क्या है? बेहतर पुलिसिंग आज भी यक्ष प्रश्न है।

कब रोजगार व जनसमस्याओं पर लड़ेंगे चुनाव

जनता, सरकार और सुशासन के मुद्दे गौण पड़ जाते हैं और फ्रीबीज की चर्चा घर-घर पहुंचकर चुनावी खेल कर देती है। ऐसे में सुलगता हुआ सवाल है कि सुशासन से लेकर रोजगार के मोर्चे पर विफल हो चुकीं जनतांत्रिक सरकारों के द्वारा जिस तरह से फ्रीबीज की घोषणाएं की जा

रही हैं, क्या यह देश की आर्थिक व्यवस्था यानी अर्थव्यवस्था के लिहाज से उचित है या फिर अनुचित है यदि अनुचित है तो इससे बचने का रास्ता क्या है देखा जाए तो कबीलाई युग से लोकतांत्रिक सरकार तक मनुष्य की पहली जरूरत शांति और सुरक्षा है, ताकि वह मेहनत करते हुए अपना जीवन निर्वाह कर सके और इस देश-दुनिया को बेहतर बनाने में अपने हिस्से का योगदान दे सके। हालांकि, ऐसे सुशासन की गारंटी न तो तब मिली थी और न अब मिली हुई है। शासक-प्रशासक बेहतर हो तो क्षणिक सुख-शांति संभव है, अन्यथा जलालत ही मानवीय सच है।

खुशहाल दिल्ली के लिए, कांग्रेस है जरूरी : जयराम रमेश

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने जीवन रक्षा योजना का हवाला देते हुए इस बात पर जोर दिया कि समृद्ध दिल्ली के लिए कांग्रेस जरूरी है। यह योजना 5 फरवरी को होने वाले आगामी दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी द्वारा घोषित की गई है। जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा कि मिलेगी स्वास्थ्य सुरक्षा, होगी हर जरूरत पूरी, खुशहाल दिल्ली के लिए, कांग्रेस है जरूरी। जीवन रक्षा योजना- 25 लाख रुपए का मुफ्त इलाज। एक अन्य ट्वीट में जयराम रमेश ने लिखा कि देश के भविष्य युवाओं के लिए कांग्रेस की युवा उड़ान योजना, युवाओं को एक साल की अप्रेंटिसशिप, हर महीने मिलेंगे 8,500 रुपए, होगी हर जरूरत पूरी, कांग्रेस है जरूरी। कांग्रेस ने 8 जनवरी को जीवन रक्षा योजना की घोषणा की, जिसमें प्रति परिवार 25 लाख रुपये का स्वास्थ्य कवर देने का वादा किया गया। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में यह घोषणा की। गहलोत ने इस योजना को दिल्ली में गेम चेंजर बताया। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस द्वारा घोषित यह तीसरा प्रमुख चुनावी वादा है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव सचिन पायलट ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वित्तीय सहायता 'युवा उड़ान योजना' के तहत प्रदान की जाएगी और यह सहायता मुफ्त में नहीं है। पायलट ने कहा कि हम उन युवाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करेंगे, जो किसी कंपनी, कारखाने या संगठन में अपना कौशल दिखा सकते हैं। इन कंपनियों के जरिए उन्हें ये पैसे मिलेंगे। यह कोई ऐसी योजना नहीं है, जिसके तहत घर बैठे पैसे मिल जाएंगे।

केजरीवाल ध्यान भटकाने की अपना रहे रणनीति : गौरव भाटिया

भाजपा ने कहा कि आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए ध्यान भटकाने वाली रणनीति का सहारा ले रहे हैं, जिसमें उनके कई दावों का हवाला दिया गया है, जिसमें दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी की संभावित गिरफ्तारी और भाजपा द्वारा रमेश बिधूड़ी को अपना सीएम उम्मीदवार घोषित करना शामिल है। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने विश्वसनीय सूत्रों का हवाला देते हुए दावा किया कि केजरीवाल विपक्ष के नेता के लिए अमानतुल्ला खान और नरेश बालियान पर विचार कर रहे हैं क्योंकि भाजपा को दिल्ली विधानसभा चुनाव में बहुमत मिलना तय है। गौरव भाटिया ने कहा कि ये स्पष्ट होता जा रहा है कि आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल भारत विरोधी गतिविधियों में अक्सर उन शक्तियों के साथ खड़े रहते हैं, जो भारत को कमजोर करने का कार्य करती हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में होने वाले विधानसभा चुनाव के दौरान मुख्य मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने के लिए अरविंद केजरीवाल प्रेस वार्ता करके कहते हैं, विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि मनीष सिसोदिया के घर अगले कुछ दिनों में रेड होगी। तो वहीं दूसरी प्रेस वार्ता कर कहते हैं कि भाजपा से रमेश बिधूड़ी दिल्ली के मुख्यमंत्री का चेहरा होंगे। जनता के मुद्दों पर चर्चा न हो इसलिए ऐसी प्रेस वार्ता कर रहे हैं। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि ये तो तय है कि दिल्ली में पूर्ण बहुमत से भाजपा की सरकार बनेगी और दिल्ली में हम ऐसा मुख्यमंत्री देंगे जो मजबूती से कार्य करेगा और दिल्ली को आगे बढ़ाएगा। वह आपकी (केजरीवाल) तरह बेईमान नहीं होगा। दूसरी बात ये भी तय है कि अरविंद केजरीवाल दिल्ली में अपनी सीट हार रहे हैं, इसलिए बौखलाए हुए हैं। वहीं, शाजिया इल्मी ने कहा कि हरिजन बस्ती आर-2 द्वारका वेस्ट में रहने वाली मीना वर्मा ने एफआईआर करने की कोशिश की और एफआईआर लिखी भी गई। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के नेता महाबल मिश्रा के बेटे विनय मिश्रा ने एक दलित महिला के साथ न सिर्फ बदतमीजी की, बल्कि उसे मारने की धमकी भी दी। इल्मी ने कहा कि विनय मिश्रा ने इस दलित महिला से एमसीडी में टिकट दिलवाने का वादा कर पैसे लिए, लेकिन जब टिकट नहीं मिला और उसने अपने पैसे मांगे तो विनय मिश्रा ने 10-15 लोगों के साथ उसे घेरा और दलित महिला के साथ बदतमीजी की और मारने की धमकी दी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

कब मिलेगा योग्यता के मुताबिक रोजगार!

रोजगार को लेकर चिंतित नहीं तभी प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक को रोक नहीं पा रही है। ऐसे में सबको समान शिक्षा और योग्यता के मुताबिक रोजगार देने की सरकारी नीति आखिर कब आकार लेगी, ज्वलंत प्रश्न है। वहीं राष्ट्रीय प्राकृतिक संसाधनों पर सरकार और उसके पूंजीपति मित्रों का बढ़ता कब्जा, भूमि और मौद्रिक संसाधनों के असमान बंटवारे की नीति, समान मताधिकार से इतर विभिन्न कानूनी असमानताएं समाज और व्यवस्था को निरंतर खोखला करती जा रही हैं।

आज कल देश में ये चर्चा हो रही है कि आम आदमी मेहनत तो कर रहा है पर उसकी मेहनत के हिसाब से उसे मूल्य नही मिल रहा है। इससे भी बड़ी बात ये है कि इस समस्या का समाधान कौन निकालेगा। चूकि समस्या का समाधान वैसे तो सरकार को ही निकालना है पर सरकार खुद ही रोजगार को लेकर चिंतित नहीं तभी प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक को रोक नहीं पा रही है। ऐसे में सबको समान शिक्षा और योग्यता के मुताबिक रोजगार देने की सरकारी नीति आखिर कब आकार लेगी, ज्वलंत प्रश्न है। वहीं राष्ट्रीय प्राकृतिक संसाधनों पर सरकार और उसके पूंजीपति मित्रों का बढ़ता कब्जा, भूमि और मौद्रिक संसाधनों के असमान बंटवारे की नीति, समान मताधिकार से इतर विभिन्न कानूनी असमानताएं समाज और व्यवस्था को निरंतर खोखला करती जा रही हैं।

इससे पूंजीपतियों की जमात, उनके शागिर्द, प्रशासनिक हुक्मरान और उसकी पूरी चेन, निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की फौज और उनके करीबी लोग तो हर तरीके से मस्त हैं, लेकिन आमलोगों की फटेहाली पर तरस खाना स्वभाविक है। जिनके पास कुछ पूंजी-पगहा, मकान-दुकान या खेती योग्य जमीन या फिर छोटी-मोटी निजी या सरकारी नौकरी है, वह तो किसी तरह गुजर-बसर कर लेते हैं, लेकिन जो न शिक्षित हैं, न संसाधनों से लैस, उनकी बेचारगी देखते ही बनती है। वहीं, न तो सबके लिए जनस्वास्थ्य सुनिश्चित है और न ही सुविधाजनक परिवहन। गरीबी हटाओ और रोटी-कपड़ा-मकान का नारा भी टांय-टांय फिस्स हो चुका है। सबको शिक्षा-स्वास्थ्य-सम्मान की सामाजिक न्याय वाली बात भी पूंजीपतियों के एजेंडे की दासी बन चुकी है। यह सब इसलिए कि भले ही सरकार अपने नागरिकों के लिए विभिन्न राष्ट्रीय समानताओं की बात करती है, लेकिन असमान कानूनों को गढ़कर वह ही सबसे ज्यादा सामाजिक विभेद भी पैदा कर रही है। सवाल है कि उसका लोकतंत्र आखिर पूंजीपतियों का संरक्षक क्यों बना बैठा है। उधर चुनावों में क्या फ्रीबीज का लॉलीपॉप थमाकर पूंजीपति सभी राष्ट्रीय संसाधनों पर काबिज हो जाएंगे, फिर उसके बाद लोगों को क्या थमाएंगे, यही उनकी योजना है। यदि यही न्यू वर्ल्ड आर्डर है या फिर ग्लोबल पैटर्न तो फिर समाज के प्रबुद्ध वर्ग को सावधान हो जाना चाहिए। क्योंकि लोकलुभावन वोटिंग पैटर्न के चक्कर में सबसे ज्यादा समाज ही पिसेगा, यही नई त्रासदी है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जवाबदेही व स्थानीय संवेदनशीलता हो प्राथमिकता

के.एस. तोमर

हिमाचल प्रदेश विधानसभा ने हाल ही में हिमाचल प्रदेश पुलिस (संशोधन) विधेयक, 2024 पारित किया। यह विधेयक प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने, भर्ती प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और जनसेवकों को उत्पीड़न से बचाने का लक्ष्य रखता है। हालांकि, इसके उद्देश्य प्रगतिशील हैं, लेकिन इसके प्रभावों पर व्यापक बहस हो रही है, खासकर जवाबदेही, स्थानीय शासन और प्रशासनिक लचीलापन के संदर्भ में। विधेयक का एक महत्वपूर्ण प्रावधान है कि सरकारी अधिकारियों को उनके आधिकारिक कर्तव्यों के दौरान की गई कार्रवाइयों के लिए गिरफ्तार करने से पहले सरकार से स्वीकृति प्राप्त करनी होगी। समर्थकों का कहना है कि यह ईमानदार अधिकारियों को राजनीतिक या फ्रिवोलस मुकदमों से बचाता है, जबकि आलोचकों का मानना है कि इससे जवाबदेही में देरी हो सकती है और प्रशासनिक ईमानदारी पर जनता का विश्वास कमजोर हो सकता है।

पारदर्शिता के पक्षधर यह चाहते हैं कि इस प्रावधान में कड़े चेक और बैलेंस हों, ताकि यह भ्रष्टाचार को बढ़ावा न दे। संशोधन में पुलिस कांस्टेबलों और हेड कांस्टेबलों का जिला कैडर से राज्य कैडर में पुनर्गठन किया गया है, जिसका उद्देश्य भर्ती को मानकीकरण करना और कर्मियों के आवंटन को अधिकतम करना है। राज्य-स्तरीय पुलिस भर्ती बोर्ड के तहत भर्ती प्रक्रिया को केंद्रीकरण करके सरकार ने भाई-भतीजावाद को समाप्त करने और जिलों के बीच संसाधन असंतुलन को दूर करने का लक्ष्य रखा है। हालांकि, इस विधेयक के स्थानीय पुलिसिंग पर प्रभाव को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है। आलोचकों का कहना है कि अधिकारियों का स्थानांतरण, जिनके पास स्थानीय सांस्कृतिक और सामाजिक जानकारी नहीं होती, कानून प्रवर्तन की क्षमता को कमजोर कर सकता है। इसके अलावा, स्थानीय भर्ती में काम करने वाले कर्मियों का उत्साह कम होगा, जो अपने घर के जिलों में सेवा करने पर गर्व महसूस करते हैं, जिससे पुलिस बल का मनोबल प्रभावित हो सकता है।

भाजपा सरकार पर भ्रष्ट अधिकारियों को बचाने का आरोप लगा रही है। उनका मानना है कि पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता से ब्यूरोक्रेट्स और राजनेताओं को कानूनी सुरक्षा मिलती है, जिससे जवाबदेही कमजोर होती है। इसके अलावा, भर्ती के केंद्रीकरण पर

आलोचना करते हुए, क्योंकि यह अधिकारियों को उन समुदायों से दूर कर सकता है, जिनकी वे सेवा करते हैं, जिससे स्थानीय प्रशासन की ताकत घट सकती है। भाजपा की आलोचना स्थानीय आवश्यकताओं और सांस्कृतिक अंतरों को नजरअंदाज करने की चिंता को व्यक्त करती है। हालांकि, विधेयक का उद्देश्य महत्वाकांक्षी है, लेकिन इसमें पुलिस बल की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए कोई प्रावधान नहीं है। राजनीतिक हस्तक्षेप को रोकने के बिना, कानून प्रवर्तन बाहरी दबावों से प्रभावित हो सकता है, जिससे इसकी दक्षता और स्वतंत्रता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसके अलावा, संसाधन की कमी एक महत्वपूर्ण समस्या हो सकती है, क्योंकि पहाड़ी क्षेत्रों में पुलिसिंग के लिए विशेष उपकरण, बुनियादी ढांचा और प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। आलोचकों का मत है कि विधेयक इन आवश्यकताओं के लिए पर्याप्त वित्तपोषण नहीं प्रदान करता, जिससे सुधारों की प्रभावशीलता पर संकट आ सकता है। पुलिस आवास और दूरस्थ क्षेत्रों में गतिशीलता के लिए कोई प्रावधान न होने से समस्याएं और बढ़ सकती हैं। बाहरी निगरानी तंत्र की कमी से शिकायत निवारण और जनता का विश्वास घट सकता हैं।

विधेयक में लिंग विविधता और समावेशन पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया, जिससे पुलिस बल में महिला और पिछड़े वर्गों का प्रतिनिधित्व बढ़ाने का अवसर खो सकता है। महिला हेल्पलाइनों और लिंग-विशिष्ट भर्ती अभियानों के जरिए इन सुधारों को पूरा किया जा सकता है। महाराष्ट्र, केरल, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और बिहार के अनुभव हिमाचल प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण सबक हैं। महाराष्ट्र ने तकनीकी-आधारित भर्ती से पारदर्शिता और निष्पक्षता बढ़ाई, जबकि केरल की सामुदायिक पुलिसिंग ने पुलिस और जनता के बीच विश्वास मजबूत किया। तमिलनाडु ने पुलिस जवाबदेही प्राधिकरण स्थापित कर स्वतंत्र निगरानी तंत्र की आवश्यकता को सामने रखा, और उत्तर प्रदेश ने डिजिटलीकरण के माध्यम से पुलिस बल का आधुनिकीकरण किया। बिहार के केंद्रीकृत भर्ती से स्थानीय मुद्दों पर असर पड़ा, जिससे हिमाचल को अपने भौगोलिक और सांस्कृतिक जटिलताओं को ध्यान में रखते हुए सुधारों को लागू करने की आवश्यकता है। सुधारों की सफलता के लिए सरकार को गहन दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। तमिलनाडु की तरह एक स्वतंत्र निगरानी निकाय स्थापित करें।

बेजोड़ इसरो को आगे ले जाने वाला 'जोड़'

डॉ. संजय वर्मा

गणित में दो जमा दो बेशक चार होते हैं, लेकिन जब मामला अंतरिक्षीय माहौल में की जाने वाली गणनाओं का हो, तो आसपास के माहौल में मौजूद लेकिन बदले हुए भौतिकी और रासायनिक कायदों को भी ध्यान में रखना पड़ता है। फिर चाहे बात अंतरिक्ष में लोबिया उगाने या फिर दो उपग्रहों की 'डॉकिंग' यानी उन्हें आपस में जोड़ने की हो। बीते साल 30 दिसंबर को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने स्पेडेक्स नाम के मिशन पर जो दो उपग्रह अंतरिक्ष में भेजे थे, उनसे जुड़ी ताजा उपलब्धि यह है कि 16 जनवरी, 2025 को उनकी सफल 'डॉकिंग' हो गई है। यह कामयाबी ऐसी है जो इससे पहले अमेरिका, रूस और चीन ही हासिल कर पाया है। इस सफलता का महत्व इससे समझ में आता है कि अब भारत चंद्रयान-4, गगनयान और खुद के स्पेस स्टेशन के निर्माण के अलावा भावी सुदूर और जटिल अंतरिक्षीय अभियानों से जुड़े कुछ जटिल काम खुद के बूते कर पाएगा।

यही नहीं, अगर इरादा अंतरिक्ष के बाजार का बड़ा खिलाड़ी बनाने का हो, तब ऐसे अभियानों का महत्व और भी बढ़ जाता है। बहरहाल, पहले बात लोबिया की, जिसके बीजों को इसरो ने पहली बार अपनी क्षमताओं के बल पर अंतरिक्ष में अंकुरित और पल्लवित किया है। पृथ्वी के मुकाबले अंतरिक्ष में बीजों के अंकुरण और विकास का पैटर्न काफी अलग होता है। इसका कारण है अंतरिक्ष का सूक्ष्म अथवा शून्य गुरुत्वाकर्षण, जिसमें बीज और पौधे अपने विकास का अलग ढंग अपनाते हैं। धरती के मुकाबले पौधे जीरो ग्रैवेटी में सभी दिशाओं में बढ़ सकते हैं। खुले अंतरिक्ष में तो नहीं, लेकिन अंतरिक्षयान या उपग्रह में अथवा चंद्रमा या मंगल की मिट्टी में बीजांकुरण और पल्लवन के लिए आवश्यक पोषक तत्वों (नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटेशियम, कैल्शियम, मैग्नीशियम और सल्फर) के अलावा आयरन, जिंक, मैंगनीज और कॉपर जैसे तत्वों की भी जरूरत होती है, जो सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण (माइक्रोग्रैविटी) में पौधे के विकास में मदद करते हैं।

ऐसी जटिलताओं के साथ जब इसरो ने अपने एक मिशन पर गए दो उपग्रहों के जरिए लोबिया के आठ बीजों को कॉम्पैक्ट रिसर्च मॉड्यूल फॉर ऑर्बिटल प्लांट स्टडीज के तहत पीएसएलवी-सी60 पीओईएम-4 प्लेटफॉर्म पर उगाने की कोशिश की, तो अभियान के चौथे दिन ही उनमें अंकुर दिखाई दे गए। अगले कुछ दिनों में लोबिया की पत्तियां भी निकल आई हैं। ध्यान रहे कि लोबिया के बीजों को जिन उपग्रहों के साथ इसरो ने अंतरिक्ष में भेजा था, यह वही स्पेडेक्स मिशन है जिसमें एक बड़ी कामयाबी 16 जनवरी को मिली है। शून्य गुरुत्वाकर्षण की स्थितियों में दो उपग्रहों की 'डॉकिंग' लोबिया के बीजों को अंकुरित करने के मुकाबले और भी कठिन थी क्योंकि ये दोनों उपग्रह करीब 29 हजार किलोमीटर प्रति घंटा की गति से पृथ्वी की कक्षा में भाग रहे थे। अंतरिक्ष में 'डॉकिंग' का अर्थ दो पृथक इकाइयों को परस्पर संबद्ध करने या जोड़ने से लगाया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय स्पेस स्टेशन पर नए यात्रियों या रसद को पहुंचाना हो तो धरती से भेजे गए यान को स्पेस स्टेशन से जोड़ना पड़ता है। यहां तक कि स्पेस स्टेशन के निर्माण की प्रक्रिया में भी यही 'डॉकिंग' तकनीक काम आती है जब कई उपकरण और प्लेटफार्म टुकड़ा-दर-टुकड़ा जोड़ने होते हैं। एक बड़े मिशन में कई बार अनेक रॉकेट या यान अंतरिक्ष में भेजने पड़ते हैं। इनकी अनेक बार मूल प्लेटफार्म या दूसरे उपग्रहों अथवा यानों से 'डॉकिंग' करानी पड़ती है। दो उपग्रहों या दो प्लेटफॉर्म अंतरिक्ष में सफलता से जोड़ना आसान नहीं है। असली कारण तो है शून्य गुरुत्वाकर्षण, जिसमें बोतल से छिटकी पानी की एक बूंद भी पल भर में कहां से कहां पहुंच जाती है, पता नहीं चलता। ऐसे में किसी यांत्रिक प्रबंध के नट-स्क्रू कहां और कैसे जुड़ जाएं और क्या पता जोड़े ही न जा सकें- कहा नहीं जा सकता है। लेकिन इस बेहद जटिल काम में महारत हासिल हो जाए तो फिर बात चाहे चंद्रयान-4 की हो या फिर गगनयान या भारतीय स्पेस स्टेशन की, लगता है कि अब इन अभियानों की सफलता में ज्यादा संदेह नहीं है। चंद्रयान-4 के संदर्भ में भी कहा जा सकता है कि उसमें 'इन-स्पेस डॉकिंग' तकनीक काफी काम आएगी।

उपलब्ध जानकारी के मुताबिक चंद्रयान-4 मिशन के तहत इसरो दो रॉकेटों क्रमश: एलएमवी-3 और पीएसएलवी के ज़रिए अलग-अलग उपकरणों के दो सेट चंद्रमा पर लॉन्च करेगा। इसके अलावा अंतरिक्ष यान का एक मॉड्यूल भी चंद्रमा की सतह पर उतरेगा, जहां से यह चंद्रमा की मिट्टी और चट्टानों के नमूने एकत्र करेगा। नमूनों को जमा करने के बाद उन्हें एक बॉक्स में रखेगा और फिर चंद्रमा की परिक्रमा कर रहे यान से जुड़ने के बाद पृथ्वी पर वापस आएगा। इस पूरी योजना में डॉकिंग और अनडॉकिंग- इन दोनों ही तकनीकों का बेहद सूक्ष्मता और सावधानी से इस्तेमाल करना होगा। उपग्रहों की देखरेख (सैटेलाइट सर्विसिंग), लंबी दूरी के अंतरिक्ष अभियानों (इंटरप्लेनेटरी मिशनों) और इंसानों को चंद्रमा पर भेजने में भी यह तकनीक काफी मददगार साबित हो सकती है। बेशक 'डॉकिंग' एक छोटा सा तकनीकी इंतजाम है, लेकिन यह एक ऐसा 'जोड़' है जिस पर भावी भारतीय अंतरिक्ष अभियानों की नींव टिकी है। इसका महत्व इतना ज्यादा है कि कामयाबी की खबर को साझा करते हुए इसरो ने दो उपग्रहों की 'डॉकिंग' को 'रोमांचक हैंडशेक' कहा।

शकरकंद से सर्दियों में बनाएं ये स्वादिष्ट पकवान

सर्दियों का मौसम आते ही खाने के शौकीन लोग काफी खुश हो जाते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि इस मौसम में खाने के काफी विकल्प आने लगते हैं जो हेल्थ के लिए भी काफी लाभदायक होते हैं। इसी मौसम में बाजारों में शकरकंद मिलने लगी है। सर्दियों के मौसम में मिलने वाली शकरकंद शरीर को काफी लाभ पहुंचाती हैं। यही वजह है कि लोग इसका सेवन भी खूब करते हैं। वैसे तो ज्यादातर लोग शकरकंद भून कर खाना पसंद करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि शकरकंद से कई अन्य पकवान भी बनते हैं जो खाने में काफी स्वादिष्ट लगते हैं। ये पांच ऐसे पकवान हैं, जो शकरकंद से बनते हैं।

शकरकंद की खीर

खीर बनाने के लिए सबसे पहले सबसे पहले शकरकंदी को डेढ़ कप पानी के साथ उबाल लेंगे। उबली हुई शकरकंदी को पहले ठंडा करेंगे इसके बाद इसे कद्दूकस की मदद से ग्रेट कर लेंगे। फिर उबले दूध में 2 मिनट बाद बाद दूध में खोया डालकर मिलाएंगे और हल्की आंच पर पकने देंगे। इसके बाद एक पैन में घी डालकर गर्म करें फिर इसमें बादाम, किशमिश और चिरौंजी डालकर रोस्ट कर लें फिर प्लेट में निकाल लें। अब खीर में रोस्ट किए हुए ड्राई फ्रूट्स डालेंगे फिर इसमें उबली हुई शकरकंदी डालकर मिक्स कर देंगे। जब खीर गाढ़ी हो जाए तो गैस बंद कर दें। बादाम से गार्निश करके सर्व करें।

शकरकंद का हलवा

ठंड आते ही पराठा, हलवा और अचार पर लोग टूट पड़ते हैं। सर्दियों में गर्मागर्म हलवा खाने का अपना ही मजा है। वैसे तो ज्यादातर लोग हलवे के नाम पर आटा, सूजी या फिर गाजर का हलवा ही खाते हैं। लेकिन शकरकंद का हलवा स्वाद में नंबर वन और सेहत के लिए वरदान है। असल में शकरकंद की तासीर जो गर्म होती है तो इसे खाने से आपकी बॉडी में भी गर्माहट बनी रहती है और आप सर्दी से सुरक्षित रहते हैं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले शकरकंद को उबालकर मैश करें। इसके बाद इसे घी में इसे भूनें। जब ये सही से भुन जाए तो इसमें दूध, चीनी, इलायची पाउडर डालें। पकने के बाद आप इसमें ऊपर से काजू, बादाम और किशमिश डाल सकते हैं।

शकरकंद के फ्राइज

स्वीट पोटैटो यानी शकरकंद सर्दियों के मौसम में काफी आसानी से मिल जाता है। घरों में बच्चे जब स्नैक्स की जिद करते हैं तो आमतौर पर फटाफट तैयार होने वाले फ्रेंच फ्राइज बना दिये जाते हैं। बच्चों से लेकर बड़े लोगों तक को फ्रेंच फ्राइज खाना पसंद आता है। आलू के फ्राइज खाने में काफी नुकसानदायक होते हैं। ऐसे में आप इस मौसम में शकरकंद के फ्राइज भी बनाकर खा सकते हैं। ये खाने में थोड़े से मीठे होते हैं, जिस वजह से इसका स्वाद भी काफी अच्छा लगता है।

शकरकंद की चाट

इसके लिए सबसे पहले शकरकंद को उबाल लें। चाहें तो इसे भून भी सकते हैं। उबालने के बाद इसके छोटे-छोटे टुकड़े करें। अब इसमें खट्टी-मीठी चटनी के साथ मसाले और नींबू मिक्स करें। इसे परोसते वक्त इसमें नमकीन जरूर डालें। उससे इसमें स्वाद बढ़ जाएगा।

शकरकंद की टिक्की

शकरकंद का मीठा रसीलापन चाट मसाला, नींबू का रस और अन्य सामग्री की जीभ-गुदगुदी उत्तेजना के साथ संयुक्त इस शकरकंद की टिक्की को आपके द्वारा पहले चखी गई अन्य टिक्की की तुलना में एक बहुत ही अलग स्वाद देता है। शकरकंद, अपने रेशेदार लेकिन नरम बनावट के साथ, टिक्की को एक अनोखा माउथ-फील भी देता है। डीप-फ्राइड, कुरकुरी लेकिन नरम बनावट के साथ, भारतीय शकरकंद कटलेट एक अद्भुत चाय-समय की संगत है जो हर किसी का पसंदीदा बन जाएगा। इसे बनाना काफी आसान है। टिक्की बनाने के लिए सबसे पहले उबली हुई शकरकंद को मैश करें। अब इसमें ब्रेड क्रम्ब्स, अदरक-लहसुन पेस्ट, हरी मिर्च और मसाले मिलाएं। टिक्की का आकार देकर घी/तेल में फ्राई करें। खट्टी-मीठी चटनी के साथ इसे परोसें।

हंसना मना है

सोनू अपने दोस्त मिंटू को ज्ञान बांट रहा था अगर परीक्षा में पेपर बहुत कठिन हो तो आंखें बंद करो, गहरी सांस लो और जोर से कहो- ये सब्जेक्ट बहुत मजेदार है इसलिए अगले साल फिर पढ़ेंगे।

एक बुढ़िया अम्मा को एक भिखारी मंदिर के बाहर मिला...भिखारी - भगवान के नाम पर कुछ दे दो मां जी, चार दिन से कुछ नहीं खाया। बुढ़िया 500 का नोट निकालते हुए बोली - 400 खुले हैं? भिखारी - हां हैं मां जी, बुढ़िया - तो उससे कुछ लेकर खा लेना...

डॉक्टर - आपका लड़का पागल कैसे हो गया? पिता- वो पहले जनरल बोगी में सफर करता था। डॉक्टर - तो इससे क्या? पिता- लोग बोलते थे थोड़ा खिसको, थोड़ा खिसको, तभी से खिसक गया।

सोनू पत्नी से- सुनती हो, अगर तुम्हारे बाल इसी रफ्तार से झड़ते रहे, तो मैं तुमको तलाक दे दूंगा। पत्नी- हे भगवान, मैं पागल अब तक इनको बचाने की कोशिश कर रही थी।

लड़की बंटी से- क्या कर रहे हो? बंटी - मच्छर मार रहा हूं। लड़की - अब तक कितने मारे? बंटी- पांच मारे.. तीन फीमेल और दो मेल। लड़की - कैसे पता चला कि मेल कौन है और फीमेल कौन? बंटी - तीन आईने पर बैठे थे और दो बियर के पास।

कहानी: बुद्ध, आम और बच्चे

बात उस समय की है जब महात्मा गौतम बुद्धा एक आम के बगीचे में विश्राम कर रहे थे। तभी वहां खेलते हुए बच्चों की एक टोली आ गयी। सभी बच्चे आम का बगीचा देख कर, आम तोड़ने के लिए वहीं रुक गये। बच्चों ने आम तोड़ने के लिए आम के पेड़ पर पत्थर मरना शुरू किया। देखते ही देखते जमीन पर आमों का ढेर लग गया। इतने में एक बच्चे ने थोड़े ऊंचे आम को तोड़ने के लिए एक पत्थर ज्यादा तेज फेंका। वह पत्थर विश्राम कर रहे महात्मा जी को जा कर लगा और उनके माथे से खून आने लगा। सभी बच्चे यह देख कर बहुत डर गए। उन्हें लगा अब तो बुद्धा जी उनको बहुत डाटेंगे। तभी उनमे से एक बालक डरता हुआ महात्मा जी के पास गया और उनसे हाथ जोड़ते हुए बोला, हे महात्मा! हमसे बहुत बड़ी गलती हो गयी है। हमें क्षमा कर दीजिए। हमारी वजह से आपको यह पत्थर लग गया और आपके माथे से खून आ गया। इस बात को सुन कर, महात्मा बुद्धा ने बच्चों से कहा, मुझे इस बात का दुख नहीं है की मुझे पत्थर लगा। पर दुख इस बात का है की पेड़ को पत्थर मारने से पेड़ तुम्हे मीठे फल देता है। लेकिन मुझे पत्थर मारने से तुम्हे डर मिला। इस तरह अपनी बात पूरी कर के महात्मा जी आगे चल दिए। और बच्चे भी आम बटोर कर वापस अपने अपने घर चले गए।

कहानी से सीख: इस कहानी के माध्यम से महात्मा गौतम बुद्धा हमें बताना चाहते है कि, कोई अगर हमारे साथ बुरा व्यव्हार करता है, तब भी हमे उसके साथ अच्छा व्यव्हार ही करना चाहिए। जिस प्रकार पेड़ को पत्थर मारने पर भी वह बदले में मीठे फल ही देता है उसी प्रकार हमे भी सभी के साथ मधुर व्यव्हार रखना चाहिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में तरक्की के योग हैं। व्यापार की गति बढ़ेगी।

वृषभ प्रभाव क्षेत्र में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। किसी विशेष क्षेत्र में सामाजिक कार्य करने की इच्छा रहेगी।

मिथुन लाभ में वृद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। कोर्ट व कचहरी के अटके कामों में अनुकूलता आएगी। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा।

कर्क बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। प्रतिद्वंद्विता कम होगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें।

सिंह घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा।

कन्या संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। झंझटों से दूर रहें। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। शेयर मार्केट में सोच-समझकर निवेश करें।

तुला नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है। प्रमाद न करें। यात्रा लाभदायक रहेगी।

वृश्चिक आज आपका काम में मन नहीं लगेगा। बेवजह विवाद की स्थिति बन सकती है। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में कमी रह सकती है।

धनु प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में उन्नति होगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। प्रमाद न करें। जल्दबाजी में कोई काम न करें।

मकर अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। कारोबार में मनोनुकूल लाभ होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। प्रमाद न करें।

कुम्भ अचानक कहीं से लाभ के आसार नजर आ सकते हैं। किसी बड़ी समस्या से निजात मिलेगी। घर-बाहर सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है।

मीन फालतू खर्च होगा। हल्की हंसी-मजाक किसी से भी न करें। नकारात्मकता रहेगी। अकारण क्रोध होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। बेवजह कहासुनी हो सकती है।

बॉलीवुड | मन की बात

पर्सनल लाइफ की गलत खबरें फैलाने पर आग बबूला हुईं तब्बू

फिल्म की टॉप और टैलेंटेड एक्ट्रेसेस की बात की जाए तो उसमें तब्बू का नाम जरुर शामिल होगा। एक्ट्रेस ने अपने लंबे करियर में एक से बढ़कर फिल्मों में अपने किरदारों से फैंस के दिलों में अपनी छाप छोड़ी है। हालांकि वो फिल्मी गलियारों में अक्सर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में रहती हैं। अक्सर उन्हें इंटरव्यूज के दौरान एक तरह के सवालों पर बार बार जवाब देना पड़ता है। वो सवाल होता है कि एक्ट्रेस शादी के बंधन में कब बंधेंगी। अब तंग आकर अभिनेत्री ने मीडिया की जमकर लताड़ लगाई है। दरअसल, हाल ही में एक डिजिटल वेबसाइट पर तब्बू की शादी को लेकर कहा गया था कि एक्ट्रेस को शादी में कोई दिलचस्पी नहीं है। लेकिन उनकी टीम का कहना है कि उनके स्टेटमेंट को गलत तरीके से सामने रखा गया है और उनकी कही हुई बात का ये मतलब नहीं था। एक्ट्रेस मीडिया की इस हरकत से काफी नाराज हैं। वहीं अब अभिनेत्री की टीम ने ऐसी गैर जिम्मेदारी पत्रकारिता करने वालों को टारगेट किया है। उनकी टीम की तरफ से जारी किए बयान में कहा गया है, ऐसी कई वेबसाइट और सोशल मीडिया हैंडल हैं, जिनमें तब्बू के नाम पर गलत बयानबाजी की गई है। लेकिन हम सभी को यह साफ करना चाहते हैं कि उन्होंने कभी भी ये बातें नहीं कही है और दर्शकों को गुमराह करना नैतिकता का गंभीर उल्लंघन है। साथ ही तब्बू की टीम उन लोगों से भी माफी की भी मांग की है, जिन्होंने एक्ट्रेस के नाम पर ऐसी खराब बात करने की कोशिश की और उनके बयान को पूरी तरह से बदल दिया। टीम ने अपने बयान में आगे कहा, हम चाहते हैं कि ये वेबसाइटें अपने मनगढ़ंत उद्धरण तुरंत हटा दें और अपनी हरकत पर ऑफिशियली माफी मांगें।

बाक्स आफिस पर टिके रहने के लिए कड़ा संघर्ष कर रही है 'आजाद'

अजय देवगन के भांजे अमन देवगन और रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी की डेब्यू फिल्म 'आजाद' सिनेमाघरों में 17 जनवरी को रिलीज हुई थी। इस हिस्टोरिकल ड्रामा को कंगना की पॉलिटिकल ड्रामा इमरजेंसी से क्लैश करना पड़ा है। वहीं बड़े बजट में बनी 'आजाद' की काफी धीमी शुरुआत हुई थी। वीकेंड पर भी ये फिल्म खास परफॉर्म नहीं कर पाई। चलिए यहां जानते हैं रिलीज के चौथे दिन यानी मंडे को 'आजाद' ने कितने नोट छापे? राशा-अमन की 'आजाद' बॉक्स ऑफिस पर टिके रहने के लिए कड़ा संघर्ष कर रही है। नई स्टार कास्ट वाली इस फिल्म में अजय देवगन ने भी स्पेशल कैमियो किया है। हालांकि अजय का स्टारडम भी फिल्म के काम नहीं आया है। 'आजाद' की कमाई में लगातार गिरावट जारी है। वैसे इस फिल्म को कंगना रनौत की इमरजेंसी के अलावा पहले से सिनेमाघरों में मौजूद गेम चेंजर, फतेह और डेढ़ महीने पुरानी पुष्पा 2 से मुकाबला करना पड़ रहा है

जिसके चलते 'आजाद' कमाई नहीं कर पा रही है।

फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो 'आजाद' ने 1.5 करोड़ से खाता खोला था। दूसरे दिन फिल्म ने 1.3 करोड़ रुपए कमाए। तीसरे दिन 'आजाद' का कलेक्शन 1.75 करोड़ रुपए रहा। वहीं अब फिल्म की रिलीज के चौथे दिन यानी पहले मंडे की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं। सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'आजाद' ने रिलीज के चौथे दिन 53 लाख का कलेक्शन किया है।

इसी के साथ 'आजाद' की चार दिनों की कुल कमाई अब 5.08 करोड़ रुपए हो गई है। 'आजाद' सिनेमाघरों में दर्शकों को नहीं खींच पा रही है जिसके चलते ये कमाई भी नहीं कर पा रही है। इस फिल्म ने रिलीज के चार दिनों में बड़ी मुश्किल से 5 करोड़ का का आंकड़ा पार किया है। वहीं 80 करोड़ के बजट में बनी इस ये फिल्म अब तक अपनी लागत का महज 6.5 फीसदी ही वसूल कर पाई है। चौथे दिन तो ये लाखों में सिमट गई है। फिल्म की टिकट खिड़की पर ठंडी परफॉर्मेंस देखते हुए इसका जल्द ही पैकअप होता हुआ नजर आ रहा है और इसका 10 करोड़ का लाइफटाइम कलेक्शन हासिल करना भी मुश्किल लग रहा है। कुल मिलाकर, राशा थडानी और अमान देवगन की पहली फिल्म इंडियन बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गई है।

मैंने स्काईफोर्स के लिए ली थी जान्हवी कपूर से सलाह : वीर पहाड़िया

अक्षय कुमार की अपकमिंग फिल्म स्काईफोर्स में वीर पहाड़िया बॉलीवुड में अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। वीर अपने इंडस्ट्री के दोस्तों और करीब परिवार जान्हवी कपूर से टिप्स लेते रहते हैं। उन्होंने इस बारे में अब खुलकर बात की है। उभरते हुए अभिनेता ने अपने भाई की गर्लफ्रेंड से टिप्स लेने की बात स्वीकार की और कहा मैं उनसे कोई भी सलाह मांगने का मौका नहीं छोड़ता। उन्होंने कहा, मेरे सभी दोस्त अभिनेता हैं, मैं उनसे कोई भी सलाह लेने का मौका नहीं छोड़ता। और वह काफी अनुभवी हैं। तो हां, मैंने तो कई सारी चीजों को लेकर बात की है।

अपनी आगामी फिल्म स्काईफोर्स को लेकर वीर पहाड़िया ने बात की है। उन्होंने कहा कि फिल्म गुंजन सक्सेना में भी जान्हवी ने एक कारगिल गर्ल का

किरदार निभाया है, ठीक वैसे ही आगामी एक्शन फिल्म निभाने जा रहे हैं। इसके लिए उन्होंने जान्हवी कपूर से सलाह ली थी।

वीर पहाड़िया कहते हैं, 'मैं फाइटर प्लेन के कॉकपिट में बैठा था, मेरा चेहरा पूरी तरह से कवर था। उस वक्त मुझे अज्जामद बोपय्या देवय्या जी के साहस, जुनून का अहसास हुआ। मैंने जैसे ही फिल्म का यह आखिरी सीन शूट किया, मैं डायरेक्टर को पकड़ कर खूब रोया। अज्जामद बोपय्या देवय्या ने देश के लिए जो बलिदान दिया, मुझे उस भावना के कारण रोना आया।'वीर पहाड़िया आगे कहते हैं, 'स्काड्रन लीडर अज्जामद बोपय्या देवय्या का किरदार निभाने को लेकर मैं डर हुआ था। उनकी शख्सियत बहुत बड़ी है, उनके बारे में काफी कुछ कहा और लिखा गया। ऐसे में उनके किरदार को पर्दे पर निभाना मेरे लिए किसी चैलेंज से कम नहीं रहा।'

अजब-गजब | इस नदी का उल्लेख पुराणों में भी है

भारत में एक नदी ऐसी भी जिसका नाम आदमी के नाम पर रखा गया

भारत एक नदी प्रधान देश है। हमारे देश में गंगा, सरस्वती, यमुना, नर्मदा, तापी आदि नदियां मौजूद हैं। कृषि में इन नदियों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है।

गंगा, गोदावरी, नर्मदा, सिंधु, तुंगभद्रा लगभग सभी नदियों के नाम महिलाओं के नाम पर हैं। इसीलिए भारतीय नदियों की तुलना नारी से की जाती है। हमारे यहां नदी को मां के रूप में पूजा जाता है और उन्हें पवित्र माना जाता है। लेकिन भारत में एक नदी ऐसी भी है, जिसका नाम किसी आदमी के नाम पर रखा गया है। क्या आप जानते हैं वो कौन सी नदी है?

अगर आप अभी तक उस नदी के बारे में नहीं समझ पाए तो बता दें कि उसका नाम ब्रह्मपुत्र है। इस नदी को इकलौता नर नदी माना जाता है, जिसका उल्लेख पुराणों में भी मिलता है। ब्रह्मपुत्र नाम का अर्थ है ब्रह्मा का पुत्र। शायद इसीलिए इस नदी को पुरुष नदी कहा जाता है। हालांकि, सोन नदी को भी इस लिस्ट में रखा जा सकता है। सोन को भी

पुरुष नदी माना जाता है।

बात ब्रह्मपुत्र नदी की करें तो वेदों और पुराणों के अनुसार ब्रह्मपुत्र नदी को भगवान ब्रह्मा का पुत्र और एक महान ऋषि माना जाता है। ब्रह्मपुत्र नदी दुनिया की नौवीं सबसे लंबी और देश की तीसरी सबसे बड़ी नदी है। असम में इस नदी ने मजुली नामक एक बड़े द्वीप का निर्माण किया है।

क्या जानते हैं, स्पेस में कैसे नहाते हैं अंतरिक्षयात्री जहां उड़ता है पानी भी?

अंतरिक्ष की दुनिया हमारे लिए किसी पहेली से कम नहीं है। हम इसके बारे में विज्ञान के बढ़ते कदमों की वजह से जानते ज़रूर हैं लेकिन उसका अनुभव नहीं कर सकते। ऐसे में कुछ सवाल हम सभी के दिमाग में आते हैं, जिनका जवाब भी नहीं मिल पाता। आज एक ऐसे ही सवाल का जवाब हम आपको देंगे।

धरती पर हमारे लिए जो काम दिनचर्या का हिस्सा हैं, उन्हें करने के लिए अंतरिक्ष में संघर्ष करना पड़ता है। मसलन ग्रैविटी न होने की वजह से उन्हें पानी का इस्तेमाल करने में भी दिक्कत आती है क्योंकि ये उड़ता रहता है। फिर वो नहाते-धोते कैसे होंगे? दरअसल अंतरिक्ष में रहते हुए एस्ट्रोनॉट्स नहा नहीं सकते क्योंकि पानी ज़ीरो ग्रैविटी की वजह से नीचे ही नहीं आता। ऐसे में वे तरह-तरह के तरीके अपनाते हैं, जिससे वे ब्रश करना, टॉयलेट जाना और नहाने जैसे बेसिक हाइजीन को मेनटेन रख सकें। मुंह को साफ रखने के लिए अंतरिक्षयात्री ब्रश तो करते हैं, लेकिन बेहद कम पानी के साथ। एक्स्ट्रा टूथपेस्ट को वो पोछ देते हैं। बालों को धोने के लिए अंतरिक्षयात्री नो रिंस शैम्पू का इस्तेमाल करते हैं। इस शैंपू को पानी से नहीं धोना पड़ता है और तौलिए से इसे पोंछकर या सुखाकर उनका काम आराम से चल जाता है। इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में एस्ट्रोनॉट्स खुद को साफ रखने के लिए नहाते नहीं हैं, बल्कि बॉडी वाइप्स का इस्तेमाल करते हैं। पानी के बजाय वे इसी से खुद के शरीर के साफ-सुथरा रखते हैं। इतना ही नहीं वे अपने कपड़े भी सामान्य नहीं बल्कि डिस्पोज़ेबल पहनते हैं ताकि इसे इस्तेमाल करने के बाद फेंक दिया जाए। अंतरिक्षयात्री जितना पानी स्पेसक्राफ्ट में इस्तेमाल करते हैं, उन्हें रिसाइकल करके शुद्ध किया जाता है। सफाई के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले पानी का भी दोबारा इस्तेमाल किया जाता है क्योंकि यहां उनके पास पानी काफी सीमित मात्रा में होता है और इसे फेंका भी नहीं जा सकता।

सपरिवार कुंभ पहुंचे अडानी, कहा- दुनिया भर के लोगों के लिये श्रद्धा की है जगह

भंडारा सेवा में हुए शामिल, बांटा प्रसाद

» प्रयागराज में त्रिवेणी संगम में की पूजा-अर्चना

» एक लाख लोगों को रोज भोजन करा रहा है अडानी समूह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी महाकुंभ में संगम में स्नान करके पूजा अचर्ना की। इसके अतिरिक्त उन्होंने बड़े हनुमान जी के दर्शन भी किए। इस समय उनका परिवर भी उनके साथ रहा। अडानी ने प्रसाद भी बांटा। उन्होंने इस अवसर अपने छोटे पुत्र की विवाह की तारीख भी घोषित की। उन्होंने बताया कि शादी 9 फरवारी को होगा।

अडानी ग्रुप महाकुंभ में इस्कॉन और गीता प्रेस के साथ मिलकर श्रद्धालुओं की

अनवरत सेवा में जुटा हुआ है। महाकुंभ मेला क्षेत्र में हर दिन एक लाख श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया जा रहा है। इसके अलावा एक करोड़ श्रद्धालुओं के लिए आरती संग्रह के वितरण का लक्ष्य भी रखा गया है। गौरतलब हो कि गौतम अडानी ने महाकुंभ गीता प्रेस को आर्थिक रुप से मदद भी की है। वह इससे पहले भी देश के कई अन्य तीर्थस्थलों पर जा चुके हैं। अडानी का पूरा परिवार धर्म के कार्यों में अग्रणी रहता है। कुंभ नगर क्षेत्र में अडानी व उनकी पत्नी ने वहां आए श्रद्धालुओं को भंडारे में जाकर प्रसाद बांटा। अडानी दम्पति ने पूरी व छोले वितरित किए। लोगों ने जमकर प्रसाद छका।

अडानी ग्रुप बांटेगा एक करोड़ आरती संग्रह की पुस्तकें

अडानी ग्रुप महाकुंभ में इस्कॉन और गीता प्रेस के साथ मिलकर श्रद्धालुओं की अनवरत सेवा में जुटा हुआ है। महाकुंभ मेला क्षेत्र में हर दिन एक लाख श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया जा रहा है। इसके अलावा एक करोड़ श्रद्धालुओं के लिए आरती संग्रह के वितरण का लक्ष्य भी रखा गया है।गीता प्रेस के साथ मिलकर एक करोड़ आरती संग्रह के वितरण का कार्य भी जारी है। यह आरती संग्रह श्रद्धालुओं को धार्मिक और आध्यात्मिक साहित्य के प्रति जागरूक करने का प्रयास है। इससे श्रद्धालुओं को गीता प्रेस की धार्मिक धरोहर और महाकुंभ की आध्यात्मिकता का अनुभव करने का अवसर मिल रहा है।

अडानी समूह दे रहा है कुंभ में अपना बड़ा योगदान

श्रद्धालुओं की मदद कर रहा है अडानी ग्रुप

अडानी ग्रुप ने श्रद्धालुओं की मदद के लिए वाहन भी उपलब्ध कराए गए हैं। अडानी समूह की पहल महाकुंभ में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए न केवल मददगार बनी है, उनकी आध्यात्मिक यात्रा को भी बेहद खास बना रही है। महाकुंभ में अडानी समूह की सहभागिता समाज सेवा और धर्म के प्रति समर्पण का एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत कर रही है, जो श्रद्धालुओं के लिए प्रेरणादायक साबित हो रही है। ज्ञात हो कि अडानी ग्रुप समय-समय पर अपने सामाजिक दायित्वों का भी निर्वहन करता रहता है। ग्रुप के मुखिया गौतम अडानी स्कूलों, अनाथआलायों व उन जगहो पर खुद तो जाते ही अपनी कंपनी के लोगों को भी भेजते रहते हैं।

नए सिरे से शुरुआत करने उतरेगी भारतीय टीम

» इंग्लैंड से पहला टी20 मैच आज शाम खेला जाएगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। भारतीय टीम न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली टेस्ट सीरीज में हार को भुलाकर इंग्लैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज में नए सिरे से शुरुआत करने उतरेगी। सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली भारतीय टीम का पांच मैचों की टी20 सीरीज के पहले मैच आज इंग्लैंड से होगा। इस मैच से अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी 14 महीने बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेंगे।

भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टी20 और तीन वनडे मैच खेले जाएंगे जो अगले महीने होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी से पहले दोनों टीमों के लिए खुद को आंकने का सुनहरा मौका है। शमी वनडे विश्व कप 2023 में चार मैचों से बाहर रहने के बावजूद भारत

के सबसे कामयाब गेंदबाज रहे जिन्होंने 24 विकेट लिए थे। उन्होंने वानखेड़े स्टेडियम पर न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में 57 रन देकर सात विकेट चटकाए थे। वह टी20 क्रिकेट में कुल 24 विकेट ले चुके हैं और इसमें अपने प्रदर्शन में सुधार करना चाहेंगे। ऑलराउंडर अक्षर पटेल को भारतीय टीम का उपकप्तान बनाया गया है जिन्होंने पिछले साल वेस्टइंडीज में टी20 विश्व कप में खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

वैष्णवी महिला अंडर-19 विश्वकप में हैट्रिक लेने वाली पहली भारतीय

कुआलालंपुर। भारत की वैष्णवी शर्मा ने इतिहास में अपना नाम दर्ज कर लिया है और वह महिला अंडर-19 टी20 विश्व कप में हैट्रिक लेने वाली पहली भारतीय गेंदबाज बन गई हैं। वैष्णवी ने मलेशिया के खिलाफ ग्रूप ए मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया और चार ओवर में पांच रन देकर पांच विकेट लिए जिसमें एक मेडन ओवर भी शामिल है। भारत के लिए 14वां ओवर डालने आईं वैष्णवी ने दूसरी गेंद पर नूर एन बिती रोसलान (3) को एलबीडब्ल्यू आउट किया। फिर अगली गेंद पर नूर इस्मा दानिया (0) को एलबीडब्ल्यू आउट कर पवेलियन भेजा। इसके बाद ओवर की चौथी गेंद पर सिती नाजवाह (0) को बोल्ड कर हैट्रिक पूरी की। वैष्णवी इसके साथ ही भारत की पहली और महिला अंडर-19 टी20 विश्व कप में हैट्रिक लेने वाली ओवरऑल तीसरी गेंदबाज बन गईं। उनका गेंदबाजी प्रदर्शन इस टूर्नामेंट के इतिहास में किसी भी गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

यूपी में सात जिलों को मिलाकर बनेगा धार्मिक सर्किट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» योगी कैबिनेट : प्रयागराज, वाराणसी और आगरा के लिए बॉन्ड जारी किए जाएंगे

महाकुंभ नगर (प्रयागराज)। महाकुंभ में बुधवार को हुई योगी कैबिनेट की बैठक में कई अहम प्रस्ताव पास किए गए। बैठक में प्रयागराज और वाराणसी समेत सात जिलों को मिलाकर एक धार्मिक सर्किट बनाने की योजना को मंजूरी दी गई। इस सर्किट में चंदौली, गाजीपुर, जौनपुर, मिर्जापुर और भदोही को शामिल किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सर्किट न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देगा, बल्कि क्षेत्र के आर्थिक विकास में भी योगदान देगा। इसके तहत प्रयागराज और विंध्याचल को काशी से जोड़ने वाले नए एक्सप्रेसवे की भी योजना है। सीएम योगी ने कहा कि प्रयागराज, वाराणसी और आगरा नगर निगम हैं। इन तीनों के लिए बॉन्ड जारी किए जाएंगे। पिछले एक हफ्ते में 9.25 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने संगम में पवित्र डुबकी लगाई है। प्रयागराज नगर निगम प्रयागराज सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के लिए बॉन्ड जारी करेगा।

विपक्षियों के लिए अंबेडकर सिर्फ चुनावी मुद्दा : विजय लक्ष्मी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दोस्तपुर। स्थानीय नगर पंचायत दोस्तपुर के नई बाजार देवापुर स्थित दलित बस्ती में गुरुवार को भाजपा मंडल अध्यक्ष विजय लक्ष्मी शुक्ला के नेतृत्व में संविधान गौरव दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर श्रीमती शुक्ला ने कहा कि भाजपा बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर और संविधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से व्यक्त करती है।

उन्होंने कहा कि भाजपा बाबा साहब का पूरा सम्मान करती है और उनका आदर्श हमेशा हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा। उन्होंने विपक्षी दलों पर आरोप लगाते हुए कहा कि केवल चुनाव के समय बाबा साहब की याद आती है, लेकिन उसके बाद वे उन्हें भूल जाते हैं। भाजपा के विचारों को साझा करते हुए उन्होंने डॉ. अंबेडकर के सिद्धांतों और उनके योगदान पर भी विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान पूर्व मंडल अध्यक्ष आशुतोष सिंह, बालमुकुंद मौर्या, रविशंकर पाठक सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस परेड का हुआ पूर्वाभ्यास

लखनऊ (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस पर निकलने वाले परेड की आज रिहर्सल हुई। विधानसभा के सामने से निकलने वाली परेड को सफल बनाने के लिए प्रशासन के आला अधिकारियों ने तैयारियों का जायजा लिया। चारबाग से शुरू हुई रिहर्सल हुसैन गंज, बर्लिंगटन चौराहा, विधान भवन से होते हुए केडी सिंह बाबू स्टेडियम पहुंची। परेड का पूर्वाभ्यास लगभग 1 घंटे तक चला। मंडलायुक्त डॉ. रौशन जैकब ने परेड की सलामी ली। इस मौके पर जिलाधिकारी विशाख जी अय्यर, डीसीपी सेंट्रल रवीना त्यागी सहित शासन प्रशासन के आला अधिकारी मौजूद रहे। परेड में शामिल होने वाले सभी लोगों को मंडलायुक्त की ओर से विशेष निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि सभी लोग समय का खास ख्याल रखें। विशेष रूप से संस्कृतिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने वाले स्कूल और कॉलेज दो दिन के अंदर और अधिक अभ्यास करके अपनी प्रस्तुति को बेहतर बनाएं। जिलाधिकारी विशाख जी अय्यर ने कहा कि परेड का रियल टाइम रिहर्सल आयोजित किया गया था। यूनिफॉर्म फोर्सेज के साथ स्कूल कॉलेज को ऑब्जर्व किया गया। इस संबंध में स्कूल और टुकड़ी के जिम्मेदारों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। फाइनल रिहर्सल 24 जनवरी को फुल ड्रेस में होगी। गणतंत्र दिवस को लेकर तैयारियों का सिलसिला लगातार जारी है।

फोटो: सुमित कुमार

भाजपा-संघ की विचारधारा कायरों की: प्रियंका

» कांग्रेस सांसद बोलीं - राहुल गांधी से डरती है सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेलगावी (कर्नाटक)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वंवसेक संघ (आरएसएस) पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि दोनों की विचारधारा कायरों की है, जबकि मुख्य विपक्षी दल देश के लिए मर-मिटने का विचार रखता है। उन्होंने यहां जय बापू, जय भीम, जय संविधान रैली को संबोधित करते हुए यह दावा भी किया कि केंद्र सरकार लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से डरती है क्योंकि वह संविधान की लड़ाई लड़ रहे हैं।

राहुल गांधी अस्वस्थ होने के कारण इस रैली में शामिल नहीं हो सके। प्रियंका गांधी ने रैली में कहा, यह संविधान कोई पुस्तक नहीं है, बल्कि आपका (जनता) सुरक्षा कवच है...बाबासाहेब ने इसमें लोकतंत्र की सुरक्षा समाहित की है। प्रियंका गांधी ने कहा कि बाबासाहेब सामाजिक न्याय और अधिकार का प्रतीक हैं।

कांग्रेस नेता ने संसद में गृह मंत्री अमित शाह के बयान का हवाला देते हुए कहा, बहुत सरकारें आईं और बहुत सरकारें गईं, अनेक पार्टियों की सरकारें बनी, लेकिन कोई ऐसी सरकार नहीं आई जिसके गृह मंत्री ने संसद में खड़े होकर बाबासाहेब का अपमान किया हो। आज तक कोई सरकार (सत्ता में) नहीं रही जिसके मंत्रियों ने चुनाव में घूम-घूम कर संविधान बदलने का ऐलान किया हो। उन्होंने कहा, क्या कोई सोच सकता था कि आजादी के इतने वर्षों बाद कहा जाएगा कि देश को 1947 में स्वतंत्रता नहीं मिली। किसी ने नहीं सोचा था कि इस तरह का अपमान सरकार की तरफ से किया जाएगा। प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि देश के गृह मंत्री ने बाबासाहेब का अपमान करके लोकतंत्र का अपमान किया है और स्वतंत्रता सेनानियों तथा आजादी के लिए शहीद होने वाले लोगों का अपमान किया है। उन्होंने दावा किया कि आरएसएस की विचारधारा ने संविधान के निर्माण के समय भी अपमान किया और संविधान के खिलाफ अभियान चलाया था।कांग्रेस महासचिव ने कहा कि जब बाबासाहेब ने महिला अधिकार की बात की थी तो आरएसएस के लोगों ने उनके पुतले जलाए थे। उन्होंने कहा, भाजपा इसी विचार से उपजी है और इसलिए आज उसके लोग हमारे संविधान का अपमान कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि आज की सरकार संविधान पर प्रतिदिन हमला करती है।

प्रियंका गांधी स्त्री शक्ति राहुल युवा शक्ति : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने लोकसभा सदस्य प्रियंका गांधी वाद्रा की तुलना अंग्रेजो के खिलाफ लड़ने वाली विभूतियो - कित्तूर रानी चेन्नम्मा और झांसी की रानी लक्ष्मी बाई से की और कहा कि वह स्त्री शक्ति का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होने राहुल गांधी को युवा शक्ति का प्रतीक बताया। उन्होने कहा, अगर कोई कित्तूर की चेनम्मा है तो प्रियंका गांधी है। अगर कोई झांसी की रानी है तो प्रियंका गांधी है। वह बहुत मजबूत है। राजीव गांधी की हत्या के बाद उन्होने ही परिवार को संभाला। हमारे पास स्त्री शक्ति (प्रियंका गांधी मे) और युवा शक्ति राहुल गांधी है। खरगे ने बेलगावी मे दिए गए महात्मा गांधी के प्रसिद्ध बयान को भी याद किया, मै जिंदा रहना चाहता हूं भारत के लिए, मरना चाहता हूं भारत के लिए। उन्होने दावा किया कि गांधी की हत्या करने वाला नाथूराम गोडसे हिदुत्व विचारक विनायक दामोदर सावरकर का शिष्य था। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमित शाह हालांकि गांधी के प्रति सम्मान दिखाते है, लेकिन वास्तव मे वे गोडसे की पूजा करते है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने भाजपा पर जवाहरलाल नेहरू और सरदार वल्लभभाई पटेल तथा गांधी और आंबेडकर के बीच मतभेद का आरोप लगाकर खेल खेलने का भी आरोप लगाया।

कांग्रेस का कोई नेता डरने वाला नही

प्रियंका गांधी के अनुसार, देश की जनता ने 2024 के लोकसभा चुनाव मे भाजपा को सबक सिखाया। उन्होने कहा, मोदी जी घबरा गए और जब चुनाव के बाद संसद मे गए तो संविधान को माथे से लगाया। प्रियंका गांधी ने राहुल गांधी का उल्लेख करते हुए दावा किया, वह रोज संविधान के लिए लड़ते है और इसके लिए जान देने के लिए तैयार है। इसीलिए यह सरकार राहुल गांधी से डरती है...उनको देखकर कांपती है कि वह सच्चाई की लड़ रहे है। उनके खिलाफ कई मामले दर्ज कर दिए है। उन्होने कहा, न राहुल जी डरेगे, न खरगे जी डरेगे, न ही मै डरूंगी और कांग्रेस का कोई नेता डरने वाला नही है क्योकि हमारी विचारधारा सच्चाई है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकियों पर भारत में उठने लगी आवाज

» आरबीआई के पूर्व गवर्नर ने कहा दुनिया के लिए चिंता की बात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जबसे शपथ ली है, उसके बाद से ही उनके तेवर बदले हुए नजर आ रहे है। डोनाल्ड ट्रंप टैरिफ बढ़ाने की धमकी भी दे चुके है। इन धमकियों को लेकर भारतीय आर्थिक जगत से जुड़े दिग्गजों ने गहरी चिंता जाहिर की है।

डोनाल्ड ट्रंप की धमकी के संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने भी चिंता व्यक्त की है। रघुराम राजन ने टैरिफ बढ़ोतरी की योजना को अनिश्चितता का सोर्स बताया। इससे गोलबाल इकोनॉमिक स्टेबिलिटी को नुकसान हो सकता है। दावोस में विश्व आर्थिक मंच 2025 में आजतक से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मेरे अनुसार ट्रंप की तारीफ बढ़ोतरी की धमकी अनिश्चितता की ओर एक बड़ा कदम है। ये बाकी दुनिया के लिए बड़ी बाधाएं उत्पन्न कर सकता है। हालांकि ये अमेरिका के लिए उतने फायदेमंद साबित न हो, ऐसा हो सकता है।

अमेरिका को टैरिफ नीति का फायदा नहीं: रघुराम राजन

अमेरिका में ये प्रणाली काम नहीं करती हुई की टैरिफ लगाया है। आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने कहा टैरिफ नीति से अमरिका कोई लाभ नहीं होगा। अमेरिका पर टैरिफ बढ़ोतरी के प्रभाव को समझते हुए रघुराम राजन चीन जैसी अर्थव्यवस्था का जिक्र कर चुके है। उन्होंने कहा कि कॉस्ट कटिंग के लिए चीन वियतनाम से सामान आयात करता है।

राहुल गांधी के मामले की सुनवाई 30 तक टली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अदालत में पांच साल लंबी प्रक्रिया चली लेकिन राहुल गांधी हाजिर नहीं हुए तो दिसंबर 2023 में तत्कालीन न्यायाधीश ने वारंट जारी कर उन्हें तलब किया था। तब फरवरी 2024 में राहुल गांधी अदालत के समक्ष पेश हुए थे।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं रायबरेली से सांसद राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले की बुधवार को होने वाली सुनवाई अधिवक्ताओं की हड़ताल के कारण पुनः टल गई है। वादी विजय मिश्र के अधिवक्ता संतोष कुमार पांडेय ने बताया कि अधिवक्ताओं की हड़ताल के कारण सांसद-विधायक विशेष अदालत के मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 30 जनवरी की तारीख निर्धारित की है।

बिहार में बैक गियर पॉलिटिक्स, अब जीतन राम मांझी पलटे

भरे मंच से की थी मोदी सरकार से अलग होने की बात, अब बोले- वह कार्यकर्ताओं को समझा रहे थे

» झारखंड, दिल्ली में सीट मांग रहे थे लेकिन आलाकमान ने नहीं सुनी उनकी बात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हिंदुस्तान आवाम मोर्चा के प्रमुख जीतनराम मांझी पलट गये हैं। उन्होंने मोदी सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि वह कही नहीं जा रहे। एनडीए के साथ है और बिहार में नीतिश कुमार की फिर से सरकार बनवानी है। उन्होंने मोदी सरकार से अलग होने की अफवाहों पर विराम लगा दिया।

सरकार से अलग होने की बात कहने वाले जीतन राम मांझी ने कहा था कि उनके खिलाफ राजनीतिक साजिश हुई है। लेकिन अब वह कह रहे हैं कि नहीं कोई साजिश नहीं हुई। उन्होंने कहा कि अगर मेरे खिलाफ कोई साजिश करेगा भी तो हम उसके नतीजे भुगतने के लिए तैयार हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने हम पर जो भरोसा जताया है, वो बहुत बड़ी बात है। जब एक व्यक्ति जो पहली बार चुनाव जीत कर आता है, उसे एमएसएमई जैसा महत्वपूर्ण विभाग सौंपा जाता है, तो ये एक बड़ी जिम्मेदारी है। हमें नरेंद्र मोदी जी पर पूरा भरोसा है, और हम उनके साथ हैं।

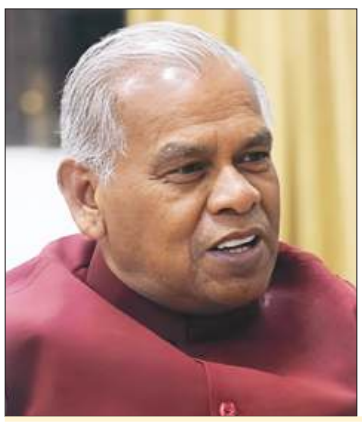

हमारी ताकत का सही इस्तेमाल नहीं हुआ

उन्होंने कहा कि बिहार में हम अपनी ताकत दिखाएंगे मैंने मीडिया से ऐसा कुछ नहीं कहा। मैं अपने कार्यकर्ताओं से कहता हूं कि आप ही हमारी ताकत हैं। झारखंड में हमारी ताकत का सही इस्तेमाल नहीं हुआ, अगर हमारी मदद ली जाती तो एनडीए को ज्यादा सीटें मिल सकती थीं। दिल्ली में भी मैंने इस बारे में बात की थी। लेकिन वहां भी हमारी मदद नहीं ली गई। अगर हमें एक सीट मिलती तो हमारे कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ता और हम ज्यादा मेहनत करते। हमारी मदद से एनडीए को फायदा होता। लेकिन, हमारी बात नहीं मानी गई। वहीं, उनसे जब पूछा गया कि क्या आप झारखंड में एनडीए की हार से दुखी हैं, तो उन्होंने कहा कि हम दुखी नहीं है, लेकिन हमें अफसोस है कि झारखंड में एनडीए हार गई।

फिर से सीएम बनेंगे नीतीश

उन्होंने कहा कि अगर हम और मेहनत करते तो शायद यह स्थिति नहीं आती। हम भगवान से प्रार्थना करते है कि एनडीए की सरकार बने और अगर मुझे मदद की जरूरत पड़ी तो मैं हमेशा सहयोग देने के लिए तैयार हूं। उन्होंने बिहार चुनाव के बारे में भी साफ किया कि कोई नया विकल्प नहीं होगा। हम सब मिलकर तय कर चुके है कि बिहार का नेतृत्व नीतीश कुमार जी के पास रहेगा, क्योंकि उनका काम बहुत सराहनीय है। हम भी 44 साल से उनके साथ काम कर रहे हैं और उनका नेतृत्व ही बिहार के लिए सबसे अच्छा है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।